कार्यशाला में एनजीओ व अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने वैज्ञानिकों के समक्ष बताई समस्याएं और समाधान मांगा

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीएसआईआर-सीरी पिलानी के जयपुर स्थित इन्क्युबेशन-सह-इनोवेशन केंद्र में आईआईटी दिल्ली के रुरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप के सहयोग से एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीरी निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला के मुख्य अतिथि रुटैग आईआईटी दिल्ली प्रो. आरआर गौड़ एवं विशिष्ट अतिथि आईआईटी दिल्ली के प्रो. एसके साहा व डॉ. केतकी बापत थे।

कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण जनमानस से जुड़ी प्रौद्योगिकियों का प्रसार एवं इससे जुड़ी संस्थाओं से परस्पर चर्चा के माध्यम से ग्रामीणों से जुड़ी समस्याओं की

जानकारी देते वैज्ञानिक।

जानकारी प्राप्त करना था। राज्य के करीब 50 गैर-सरकारी संगठनों व स्टार्टअप के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला को आईआईटी दिल्ली के प्रो. एसके साहा, प्रो. आरआर गौड़ व डॉ. केतकी बापत ने संबोधित किया। संचालन केंद्र प्रभारी डॉ. रामप्रकाश ने किया। कार्यशाला के दौरान हुए तकनीकी सत्रों में आजीविका ब्यूरो की प्रियंका जैन ने पत्थर की धूल से हो रही समस्याओं से अवगत कराते हुए वैज्ञानिकों से इसका समाधान पूछा। स्टार्टअप ओएसिस के चिंतन बक्शी ने सीताफल की लुगदी प्रोसेसिंग, खादी में उपयोग होने वाले फैब्रिक की गुणवत्ता बढ़ाने, ऊंटनी के दूध की प्रोसेसिंग व पैकेजिंग सहित कई समस्याओं के समाधान पूछे। रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान चिड़ावा के भूपेंद्र पालीवाल ने संपर्क रहित भू-जल माप उपकरण, पानी में खारापन, मृदा नमी मीटर की तकनीक के विकास की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट ग्रामीण उपयोगी प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।